

साहस सच दिखाने का भारत दर्शन



सबसे तेज-सबसे अलग खबरे, अब एक क्लिक पर

www.bharatdarshannews.com

पर्यावरण संरक्षण विषय पर अगवाल महाविद्यालय में निकाली जागरूकता रैली
(Kiran Kathuria) www.bharatdarshannews.com Wednesday, 27 March, 2019



Faridabad News, 27 March 2019 : अगवाल महाविद्यालय में को एन.एस. एस. इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर जागरूक करने के लिए एक रैली अगवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्ण कान्त गुप्ता के दिशा निर्देशन में निकाली गई तथा उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमें पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोकना है, क्योंकि हमारा पर्यावरण सुरक्षित होगा तभी हमारा जीवन सुरक्षित होगा। प्राचार्य ने अपने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा कर्तव्य है कि हम स्वयं भी अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखें व आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण धरंहर का रूप में देकर जायें। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्ण कान्त गुप्ता ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिसमें डॉ. के. एल. कौशिक, डॉ. संजीव गुप्ता ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई व एन.एस.एस. इकाई प्रथम के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक निराला, इकाई द्वितीय की कार्यक्रम अधिकारी रितु इकाई तृतीय की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा मलिक के नेतृत्व में एन.एस.एस. स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने नारे लगाये। ागरूक करने के लिए अम्बेडकर चौक से लेकर मेन बाजार बल्लबगढ़ होती हुई महाविद्यालय वापिस पहुँची। रैली में लगभग 150 स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही आज ही के दिन अगवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के सभागार में अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया जिसका विषय था 'भारतीय अर्थव्यवस्था व बेरजगारी का समाधान' व मुख्य वक्ता के रूप में सुरिन्दर कुमार (भूतपूर्व निदेशक, गिरी इंस्टीट्यूट ऑफ लखनऊ) उपस्थित थे। महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. कृष्ण कान्त गुप्ता की सद्प्रेरणा से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु समय पर अनेकानेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी श्रृंखला में डॉ. मनोज शुक्ल के कुशल मार्गदर्शन में यह व्याख्यान आयोजित किया गया व इस व्याख्यान के अन्तर्गत सुरिन्दर कुमार जी ने निम्न बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए कमजोर पड़ती अर्थसंरचना का बेरजगारी का मूलभूत कारण बताया व दूसरे सत्र में हरियाणा राज्य की अर्थव्यवस्था की विभिन्न आर्थिक समस्याओं पर प्रकाश डाला व इस व्याख्यान का अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य विभाग के 150 विद्यार्थियों ने लाभ उठाया व इस अवसर पर अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य विभाग के संसद प्रवक्तागण डॉ. ऊषा चोपरी, श्रीमती प्रतिज्ञा चोपरी, डॉ. पूनम पर्स, डॉ. उपासना, सुश्री प्रिया, श्रीमती प्रियंका, श्रीमती स्वाती अगवाल व श्रीमती मनोशा गंवल उपस्थित थे व